पृथ्वी - पर्वतयात्रिकों का मार्गदर्शक, बुद्धिमानी त्रिक परमेश्वर से भय करो, क्या भारत बचने का एक नया अंधेरा युग है? निबंध 1 (Hindi)

इक्कीस शतक में होनेवाला ग्रह का कठोर वास्तविकता केलिए विश्व - संबंधी सत्यता।

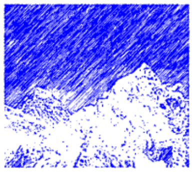

Two Backpackers Carry On...

The Muktinath Trek

In The Old Kingdom Of Nepal

पुराना नेपाल राज्य का

मुक्तिनाथ पर्वत में

दो यात्रिकों से पर्वतयात्रा करते है

Find Your Divine Destiny In...

The Temple Of Miraculous Fire

© Copyright 2005, 2011, 2018 by Roddy Kenneth Street, Jr.

Hindi translation (2018) made by Pastor Joel
of Pollachi, Tamil Nadu, South India

JesusChristNepal.org का सौजन्य।
अलग अलग किताबें, मुद्रण - ढंग, और सौजन्य निबधों केलिए
JesusChristNepal.com, JesusChristBurma.com, JesusChristSriLanka.com
JesusChristIndia.org, JesusChristChina.org, JesusChristKorea.org और
JesusChristSouthIndia.com, JesusChristSouthKorea.com में तलाश करो।

बुद्धिमानी त्रिक परमेशवर से बहुत भक्ति से भारत केलिए प्रार्थना करो - प्रभू ईशुमसीह के अलावा सब को शासन करने केलिए कोई दूसरा राजा नही है....!

मुक्तिनाथ में ''अचंभा की अगिन का मन्दिर'' (1979 में) नीचे दहने तरफ देख सकता है।

आप का ईश्वरीय भाग्य को पता लगाइए............

बुद्धिमानी परमेश्वर से बहुत भक्ती से भारत केलिए प्रार्थना करो-

प्रभू ईशूमसीह ही सब को शासन करेगा....!

मुक्तिनाथ में ‘‘अचंमा की अग्नि का मन्दिर’’ नीचे दहने तरफ (1979 मे) देख सकता है।

नेपाल के ऊँचे पहाडों में मुक्तिनाथ नामक एक जगह है, और उसका दूसरा नाम है ‘‘मुक्ति का ईश्वर’’। कई हिन्दू और बैद्ध तीर्थयात्रिकों ने ‘‘अचंभा की अग्नि का मन्दिर’’ देखने केलिए उधर जाते रहते है।

वास्तव में इन लोगों को ‘‘मुक्ति का ईश्वर’’ और अचंभा की अग्नि के बारे में कुछ भी नहीं जानते है।

1979 में दो महीने केलिए मैं नेपाल में ठहरा। नवम्बर में अपना दोस्त वार्णर बाउमगार्टनर, जो एक स्विस साहसिक के साथ मैं पोखरा मुक्तिनाथ पर्वत का शिखर पर चढ गया। फिर दिसंबर में हम एकसाथ एवरस्ट के शिखर पर भी चढ गये।

प्रथम यात्रा मे, नेपाल के पहाडों के ऊपर से हर दिन हम पैदल जाकर अन्त में हमारा लक्षय जो मुक्तिनाथ पहूँचे। वहाँ इस पर्वत यात्रा का लक्ष्य जो ‘‘अचंभा की अग्नि का मन्दिर’’ का एक बनावट भी देख सके। यह तो इस पहाड के ऊपर स्थित होनेवाला एक साथारण इमारत था।

यदि इस पर्वत यात्रा कई तरह से बहुत प्रेरणा और विश्वास देनेवाला कर्तव्य था कि उस ''अचंभा की अग्नी'' जो उस मन्दिर में देखा बहुत निराशा करनेवाली एक वस्तु था। जब एक बुद्ध साधू ने चबूतरा का पर्दा को पीछे से खींचा तब हमको ''अचंभा की अग्नि'' जो इस नेपाली मन्दिर में बना लिया को देख सके।

फिर हमको उस ''अचंभा की अग्नि'' के बारे में कुछ समझ सके। एक छोटी सी धारा ऊपर से आकर जमीन से बह रहा था और उसको पर्दा के पीछे बनाकर रखा था। इसके अलावा एक प्राकृतिक गैस भी जमीन से ऊपर आ रहा था, और साधु लोग इस गैस को जलाते रहते थे......... इसलिए आग ने धारा के ऊपर हमेशा ऐसा जलकर रहता था।

इस मन्दिर का अचंभा तो इस प्रकार था कि, जो इस ब्रहमाडं के चार मूल मात्राएँ आग, पानि, जमीन और वायु के सम्मिश्रण देख कर सारे हिन्दु और बुद्ध पर्यटकों ने बहुत प्रभावित होते रहते थे।

सोचो - एक आग पानी के ऊपर उडके जल रही है और हमेशा ऐसा ही हो रही है। यह एक पर्वत यात्रिक केलिए इस संसार में खोज निकालने का एक असाधारण बात है जो आप सोचने के जैसे।

छे महीने के बाद, मैं गुआम का शांत द्वीप में आगया और अगले पाँच साल मैं उधर रह कर काम करने लगा।उधर आने के बाद, मैं प्रभु ईश्रमसीह का एक सच्चा विश्वासी बन गया और बैबिल कालेज का एक छात्र भी बन गया।

मेरा गुआम द्वीप का आगमन और खुद जीवन में आया हुआ आत्मीय परिवर्तन मुझे एक नया समझ की शक्ती लाया। मुझे यह भी समझ गया कि जब परमेश्वर ने पवित्रात्मा की शक्ती एक विश्वासी को देता है तब से ''अचंभा की अग्नि'' उस व्यक्ति में जलने लगता है। यह अग्नि सिर्फ प्रार्थना और विश्वास के कारण से ही आती है। फिर सारे मानव जातियों को प्रकाश से अनुग्रह मिलते है और जो पवित्रात्मा का मन्दिर भी बन जाते है। यह एक आश्चर्य की बात है कि जो एक साथारण व्यक्ति को भी ''अचंभा की अग्नि का मन्दिर'' बन सकता है और उस में पवित्रात्मा की अग्नि फिर हमेशा जल रहता है।

फिर आगे जो, प्रभु इशूमसीह आपको जीवन का पानी भी हमेशा दे देगा और उस पानी आप केलिए नित्य जीवन का श्रोत हो जाएगा।

प्रभू इशूमसीह के द्वारा पिता परमेश्वर का बलिदान से आप के सारे पापों को माफ मिले , और उनका खून से आप के सारे पापों को धो कर निकले और इस प्रकार पिता के सामने आप गुणवान और निर्दोषि बन गये। आप एक विश्वासि के कारण से यदी योग्य है या नही है तो, परमेश्वर अपना पुत्र इशूमसीह का धर्मपरायण से आपको उधार देता है।

यह जो परमेश्वर ने खुद हमको दिखाने का एक विस्मयकारि सत्य है। इस सत्य को प्रभू ईशूमसीह ने पवित्र वचन से हमको पढाता है पृथ्वी, आग और पानी के परपंरागत मात्राओं को प्रयोग कर के होनेवाला एक अचंभा रुपांतरण से - महान परमेश्वर ने

एक साधारण व्यक्ति को भी अचंभा की अग्नि का मन्दिर बन जाता है। यहाँ परमेश्वर यह कैसा करता है.......

पृथ्वी - आप का मानव शरीर मिट्टी से बनाया हुआ एक कटोरा के जैसा है और जिसको परमेश्वर ने इस पृथ्वी का धूल से बनाया हुआ है तो भी परमेश्वर को इसे पवित्रात्मा का पवित्र मन्दिर बन सकता है।

वायु - यह हमेशा आप में होता है! माता का गर्म में ही परमेश्वर आपको जीवश्वास दिया गया है। यह समझ लेना कि जब आप इस पृथवी में जन्म हुए तब से श्वास लेना शुरू हुए। परमेश्वर की अनुमति के बिना आप को एक श्वास भी अधिक नहीं ले सकते है। किंतु इससे एक बडी चीज परमेश्वर आप को दे देगा - जो वे ऐसा बादा करता है कि आप इस पृथ्वी से उडकर स्वर्ग राज्य में अपना अस्तित्व के बारे मं समझ लेंगे। स्वर्ग में नित्य जीवन मिलने को चढनेवाले लोगों केलिए परमेश्वर ने सृष्टि किया हुआ एक नया स्तर है जो परमेश्वर ने जिन लोगों को सिद्ध किया है उन केलिए बचा कर रखता है.... और इस कृपादान आप को मिलने केलिए वायु कैसा मदद करता है?

वायु एक महत्वपूर्ण मात्रा है जो कोई भी व्यक्ति को अचंभा की अग्नि का मन्दिर के रूप में परिवर्तन करने केलिए अनुमति देता है..........! यह तो रूपातंरण का उत्प्रेरक है। आप आश्चर्य से पूछेंगे कि यह क्यों ऐसा है ?

आप का हृदय में प्रभु ईशूमसीह को विश्वास करो। परमेश्वर के सामने आप का विश्वास को मुख खोल कर घोषित करो। ''ईशू मेरा प्रभु'' तक घोषित करने केलिए वायु को अंतर प्रयोग करो और आप ईशू का लक्ष्य और स्वर्ग राज्य के पीछे करने तो आप का जीवन अध्यात्मिक अग्नि हो जाएगा...!

इस प्रकार किसी भी व्यक्ति को दोनों वायु और प्रभू ईशूमसीह का कृपा के सहारे से पवित्र और धन्य अंचभा की अग्नि का मन्दिर बन सकता है।

आग और पानि - इन दोनों मात्राओं को परमेश्वर ही देता है और उन्होने अपने कृपा से मोक्ष करके और औचित्य सिद्ध से आशिष करके दोनों आग और पानि को आपमें रखता है... जो आपको बनायावाला पवित्र परमेश्वर का एक निःशुल्क उपहार है ।

आप का रूपांतरण प्राप्त हुआ मानव शरीर, जो ''अचंभा की अग्नि का मन्दिर'' फिर बहुत शांत हो जाता है, क्योंकि इसका अंतर दोनों पवित्रात्मा की अग्नि और जीवन का पानी का धारा होता है... जिन्होने आपको और कई दूसरों को स्वर्ग में लेके जाएँगे।

प्रभु ईशूमसीह का एक विश्वासी के कारण, आपको दो महत्वपूर्ण उपहार परमेश्वर से मिलते है। आपमें हमेशा जलने का पवित्रात्मा की शक्ति मिलता है। आप में हमेशा बहनेवाला जीवन का पानी भी देता है, जिन्होने आपको परमेश्वर के पास नित्य जीवन देता है।

इस पृथ्वी के सारे ईसाई लोग पूर्व की तरफ से महत्वपूर्ण और अचंभा यात्रा केलिए भाग लेते है। इस लंबी यात्रा एक नया शुरूआत और नया पृथ्वी बनने केलिए करती है । मैं आशा करता हुँ कि आपभी इस यात्रा में भाग लेंगे।

हमारे सेना अभी तक आगे बढ रहे है और नया रंगरूटों केलिए हम देख रहे हैं। इस अच्छी बात जो प्रभु ईशुमसीह ने हम से करवाना चाहता है। रिचाई वुम्ब्रान्ड नामक एक रोमानिथन पुरोहित अपना किताब

‘‘रीचिगं टुवार्ड द हैट’’ में ऐसा प्रस्ताव करता है कि यदि हम एकसाथ चढके एक बडा दल बनने तो अच्छा सफल हो जाएगा।

धोडी देर केलिए गुआम द्वीप मे उपनिवेश कर के मैं 1980 में एक विश्वासी बन गया। मुझे यह पता नही था कि मेरा दोस्थ स्विस पाल वार्णर भी एक स्वतंत्र रीती से वही साल में प्रभू ईशूमसीह का एक विश्वासी बन गया।

मेरा दोस्त वार्णर, जो पहले स्विस आलपस और हिमालय के ऊपर चढा, वापस स्विटस्र्लाँड में अपना घर जाके एक साधारण जीवन शुरु करने के पहले आखिरी पहाड भी बिलकुल चढना चाहा। उसका अंतिम ठहराव ईजिप्ट होगा, और जो वहीं सीनाई पर्वत पर चढने को निश्चय किया, कई लोगों को ऐसा एक विश्वास है कि वही स्थान में मूसा को परमेश्वर से दस आदेश मिला। इस पर्वत पर ही मूसा ने पहले अचंभा की अग्नी देखा - एक जलनेवाली झाडी से परमेश्वर की आवाज आयी - फिर उसने एक पर्वत के रूप में बदल गया और उसी पर्वत से ही मूसा को दस आदेश मिल गया।

एक बाईबिल साथ लेकर, वार्णर ने सीनाई पर्वत का शिखर पहूँचा, और ऊपर आके बैठकर बाइबल पढने लगा। उसने वचन पढा और प्रार्थना किया, फिर पवित्रात्मा की शक्ती उसको रूपांतरण दिया। इस प्रकार वह ईशुमसीह का एक सच्चा विश्वासी बन गया।

सीनाई पर्वत का शिखर से नीचे आकर वर्णर ने प्रभु ईशूमसीह को अपना रक्षक स्वीकरा किया और उनका पीछे होने लगा। उसका मानव

शरीर पवित्रात्मा का अचंभा की अग्नि का मन्दिर बन गया। यह तो आश्चर्य की एक बात है।

मुझे एक चिट्टी से यह मालूम किया कि जो वार्णर ने स्विटसरलान्ट में एक बाईबिल कालेज से अपना पढाई पूरा कर चुका। स्विटसरलान्ट से आया हुआ मेरा पुराना दोस्त, पाल वार्णर, जिनके साथ मैं इस विश्व के कई जगह से धूम कर लिया है और इस व्यक्ति ने स्विटसरलान्ट मे 'रिफोर्मड फ्री चर्च' का पुरोहित बन गया। उसने एक धर्म प्रचारक भी बन गया और उसका देश के कई गावों में परमेश्वर की सेवा कर रहा है और कई चर्चों को भी स्तापित कर रहा है।

मेरा दोस्त वार्णर तो पवित्रात्मा की रूपातरण शक्ती का एक उत्तम उदाहरण है, और ईशूमसीह का जन्म के बाद इस पृथ्वी में रहने वाले कई लोगों के बीच में फिर भी ऐसा कई उदाहरण होता रहता है। अगर पवित्रात्मा की शक्ती और पवित्र वचन की शक्ति से तुम अपने आप हमेशा जल रहे तो कई लोग बहुत दूर से आपको मिलने केलिए आएँगे।

हम दोनों अपने साहसिक यात्रा समाप्त करके प्रभु ईशुमसीह का दृढ विश्वासी और उनका पीछे होनेवाले बन गये तो भी यह आश्चर्च की एक बात ही नहीं। इस संसार के कई देशों में से कई महीने हम दोनों धूम कर रहे थे। जहाँ पर हम पहूँचते थे वहाँ पर प्रभू ईशुमसीह की कृपा बहुत जरूरत ही है।

पिता परमेश्वर की कृपा और अपना पिय पुत्र प्रभु ईशुमसीह की शक्ती से दोनों मैं और वार्णर पवित्रात्मा का अचंभा की अग्नि का जीनेवाला मन्दिर बन गये। पिता परमेश्वर का सच्चा प्रिय पुत्र

प्रभु इशूमसीह पर का विश्वास से हमारे जीवन में रूपातरण मिल गया।

परमेश्वर की सच्चाई का रास्ता दिखानेवाला प्रभु ईशुमसीह को जानकर मैं एक विश्वासी बन गया। ईशुमसीह तो पिता परमेश्वर की पूर्णता का रक्षक और सत्य का उद्‌धोषक है। ईशुमसीह का मुख में प्यारा पिता का मुख को देख सकता है। पृथ्वी और स्वर्ग की सच्चाई को उनका पवित्र वचन से हमको सुन सकते है। ईशुमसीह की आवाज प्रभु परमेश्वर की आवाज ही है। वे पवित्रता और शुद्ध धर्मपरायण दोनों को पहनते है, और पिता परमेश्वर का नित्य पुत्र भी है।

प्रभु ईशमसीह अपना सारे खोजनेवालों का अंतिम गंतव्य स्थान है, जो सच्चाई और अधिक ज्ञान का पवित्र उद्‌गमन स्थान भी है। आप का पूरा जीवनतलाश का लक्ष्य है और मानव जातियों का पूर्व की तरफ यात्रा का अंतिम लक्ष्य भी है। वे नया प्रारंभ का श्रोत है.... और पृथ्वी के सारे चीजों को नवीनी करने का ईश्वरीय रोश्नी भी लाता है।

पहले से ही शैतान को बहुत से बच्चे है लेकिन स्वर्गपिता को कुछ अधिक कर सकता है। यदि आप परमेश्वर के बच्चे बनें तो गर्व से घोषित कर सकते है कि परमेश्वर की परिवार में एक अगं बन गया और प्रभु ईशूमसीह का भाई भी बन गया।

आप को भी एक अचंभा की अगनी का मन्दिर बन सकते है।

क्या प्रभु ईशुमसीह आपको प्रदान करनेवाले विश्वास और जीवन का पानी को आप स्वीकार करें ?

यही आपका पुनर्जोवन का विश्वसनीय उपाय है।

हिन्दु लागों के विश्वास के अनुसार, जीवन का श्रोत गंगा नदी का पानी नहीं। सच्चा जीवन का श्रोत प्रभु ईशुमसीह है और जिसको पिता के साथ नित्य जीवन भी हमको दे सकता है।

प्रभु ईशुमसीह ने ऐशा धोषणा किया है कि जो इब्राहिम से पहले अस्तित्व हुआ। पहले इसके कि ईब्राहिम उत्पन्न हुआ मैं हूँ। उसने ऐसा हठ किया है कि जो पिता से जोडकर रहता है और बोलता है कि ‘‘मैं और परमपिता दोनों एक ही है’’। यदि आप पिता का स्वभाव को जानना चाहिए तो केवल ईशू का मुख पर ही देखना, क्यों कि जो पिता का व्यक्तित्व को प्रकट करता है।

प्रभु ईशुमसीह ने ऐसा घोषणा किया है कि, ‘‘मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हूँ। बिना मेरे द्वारा कोई पिता के पास नहीं पहूँच सकता ।

स्वर्ग का द्वार प्रभु ईशुमसीह है और वह तो हमारे स्वर्गपिता महान परमेश्वर के पास पहूँचने का रास्ता भी है, अधिक ज्ञान का मुख्य द्वार है, और इस द्वार से सारे मानव जातियों को पवित्रात्मा की शक्ति मिलता है।

प्रभु ईशुमसीह इस ब्रहमाड का महत्वपूर्ण सत्य और प्रकाश है। जो प्रभु परमेश्वर की तरफ से हमको रास्ता दिखाता है, और इस रास्ता से हम पिता के राज्य पहूँचते है।

प्रभु ईशुमसीह ऐसा कहता है कि, जो मार्ग है, और केवल इस मार्ग ही काम में आता है। इस संसार में साढे एक बिल्लियन से अधिक लोग इस पवित्र व्यक्ति का ईश्वरीय को अभी तक समझते है।

इस पृथ्वी में आपका पूरा जीवन में कई साल इस सत्य को आप ढूँढते रहते है....

अभी आप प्रभु ईशुमसीह का सत्य को सुना है और इस संसार की तरफ से रोश्नी का रास्ता भी दिखाया है।

प्रभु ईशुमसीह इस संसार का प्रकाश है, और जो आपका चारों ओर होनेवाला अँधेरा और दुष्ट दुनिया को प्रकाशित करता है, और आपको सही मार्ग भी दिखाता है। ईशुमसीह आपका मार्ग की रोश्नी और पाव का दिया है। जो दैवी, सत्य और परमेश्वर का वचन भी है।

आप का दिल में परमेश्वर का सत्य कैसा आता है? जो ऐसा है कि स्वर्गपिता महान परमेश्वर पवित्रात्मा की शक्ति से आप को पवित्र बाइबिल वचन का समझदारी देता है। फिर आप समझता है कि वास्तव में ईशु कौन है, जो दैवि और परमेश्वर का तित्य पवित्र पुत्र है।

प्रभु ईशुमसीह को आपका हृदय में स्थान देने तो परमेश्वर के साथ नित्यजीवन मिलता है, जो त्रित्व से एक है और इस

ब्रहमांड का सृजनकरता है। वह उसी प्रकार का स्थान और आदर को योग्य है। प्रथम परमेश्वर और परम पिता का प्रियपुत है यद्यपि जो भौतिक शरीर में जन्म लिया तो हमेशा केलिए निरपराथि और धर्मपरायण भी है। फिर भी आप केलिए उसने क्रूस पर अपना जीवन बलिदान किया, सारे अपराधों और पापों को अपने आप वहन किया, आप केलिए मेरे लिए और इस पृथ्वी का सारे मानव जातियों केलिए - और जो कोई बचाव चाहता है, उनको अपने सारे पापों की सजा से उद्धार मिलता है।

अगर आप ऐसा करने तो, परमेश्वर इस संसार केलिए करनेवाले कई व्यवस्थाबद्धों को मानने तो आप का जीवन में संतुष्ट और शांती मिल जाएगा... क्योंकि परमेश्वर को इस संसार के पूरा जीवन और आप का जीवन को शासन करने का अनुमति आप ही देना चाहिए।

सारे छोटी और बडी बातें सिर्फ सच्चा प्रार्थना से होता है। इस में एक आप अपने आप शब्दों से बनना चाहिए। मुक्ति केलिए और परमेश्वर का नेतृत्व केलिए अपना हृदय में से प्रार्थना आना चाहिए।

कुछ महत्वपूर्ण तत्व है जो आप अंतर्विष्ट करना चाहिएः

1) आप का भूतकाल जीवन में किया हुआ गलत काम और पापों से मोडने का अभिलाषा और आपका पिछला जीवन के पापों के बारे मे पश्चाताप,

2) परमेश्वर का प्रिय पुत्र प्रभु ईशुमसीह का बलिदान से आपको क्षमाशीलता और दया मिलने का अभिलाषा

3) परमेश्वर का नेतृत्व आप का जीवन में पहचानने का अभिलाषा

4) बाइबिल वचन से परमेश्वर का सत्य को ज्यादा सीखने का अभिलाषा,

5) असली विश्वासियों के साथ सहयोग करने का अभिलाषा

मोक्ष मिलकर, आप को यह समझ सकेंगे कि, प्रभु ईशूमसीह ही इस संसार का राजा और आप का जीवन का अधिपति है। सर्वशक्तिमान परमेश्वर के तीन

चेहरों के बारे में भी आप को समझ सकेंगे कि जो परमेश्वर पिता, परमेश्वर पुत्र, और परमेश्वर पवित्रात्मा।

उनका पवित्र प्रकाश आप का चेहरा और क्रिया में प्रत्यक्ष करने लगेंगे! प्रभु ईशुमसीह को सेवा करने का एक नया इच्छा आप में आएँगे!

प्रभु ईशुमसीह ने अपना लोगों से ऐसा कहा है कि ‘‘फिर स्वर्ग का राज्य उस बडे जाल के समान है जो समुद्र में डाला गया, और हर प्रकार की मछलियों को समेट लाया। और जब जाल भर गया, तो मछुए उसको किनारे पर खींच लाए, और बैठकर अच्छी - अच्छी तो बर्तनों में इकट्ठा की और निकम्मी निकम्मी फेंक दी। जगत के अन्त मे ऐसा ही होगा। स्वर्ग दूत आकर दुष्टों को धर्मियों से अलग करेंगे, और उन्हें आग के कुण्ड में डालेंगे ।जहाँ रोना और दाँत पीसन होगा।

प्रभु ईशुमसी का स्थिर सहचर और अर्पित शिष्य, मत्ती का सुसमाचार से (13:47-50)

प्रभु ईशुमसीह ने लोगों से ऐसा कहा कि ‘‘परमेश्वर का राज्य ऐसा है, जैसे कोई मनुष्य भूमि पर बीज छीटे और रात को सोए और दिन को जागे, और वह बीज ऐसे उगे और बढ़े कि वह न जाने। पृथ्वी आप से आप फल लाती है, पहले अंकुर, तब बाल, और तब बालों में तैयार दाना / परन्तु जब दाना पक जाता है, तब बह तुरन्त हँसिया लगाता है, क्योंकि कटनी आ पहूँची है।

मरकुस का सुसमाचार से (4:26-29)

इस पुस्तक में देता हुआ संदर्भ सूची बाईबिल वचन (किंग जेम्स वेर्षन से लेके सब नीचे दिया है)

1. प्रेरितों 2:1-4 जब पिन्तेकुस्त का दिन आया, तो वे सब एक जग इकट्ठे थे। एकाएक आकाश से बडी आंधी की सी सनसनाहट का शब्द हुआ, और उससे सारा घर जहाँ वे बैठे थे, गुँज गया। और उन्हें आग की सी जीभें फटती हुई दिखाई दी और उनमें से हर एक पर आ ठहरीं। वे सब पवित्र आत्मा से भर गए, और जिस प्रकार आत्मा ने उन्हें बोलने की सामर्थ्य दी, वे अन्य अन्य भाषा बोलने लगे।

2. कुरिन्थियों 6:19-20 क्या तुम नही जानते कि तुम्हारी देह पवित्र आत्मा का मन्दिर है, जो तुम मे बसा हुआ है और तुम्हे परमेश्वर की और से मिला है, और तुम अपने नही हो ? क्योंकि दाम देकर मोल लिए गए हो, इसलिए अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करो।

3. इफिसियों 4.30 परमेश्वर के पवित्र आत्मा को शोकित मत करो, जिस से तुम पर छुटकारे के दिन के लिये छाप दी गई है।

4. यिर्मयाह 17.13 हे यहोवा, हे इस्राएल के आधार, जितने तुझे छोड देते हैं वे सब लज्जित होंगे, जो तुझ से भटक जाते हैं उनके नाम भूमि ही पर लिखे जाएँगे, क्योंकि उन्होंने बहते जल के सोते यहोवा को त्याग दिया है।

यूहन्ना 4.10-14 यीशुने उत्तर दिया, ‘‘यदि तु परमेश्वर के वरदान को जानती, और यह भी जानती कि वह कौन है जो तुझसे कहता है, ‘मुझे पानी पिला, तो तु उससे मागँती, और वह तुझे जीवन का जल देता । स्त्री ने उससे कहा ‘‘है प्रभु तेरे पास जल भरने को तो कुछ है भी नही, और कुआँ गहरा है, तो फिर वह जीवन का जल तेरे पास कहाँ से आया ? क्या तु हमारे पिता थाकूब से बडा है, जिसने हमे यह कुआँ दिया, और

आपही अपनी सन्तान, और अपने पशुओं समेत इसमे से पिया ? यीशु ने उसको उत्तर दिया, 'जो कोई यह जल पिएगा वह फिर प्यास होग, 14 परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह फिर आनन्तकाल तक प्यास न होगा; वरन् जो जल मैं उसे दूगाँ, वह उस में एक सोता बन जाएगा जो अनन्त जीवन के लिए उमडता रहेगा।''

5. यूहथ्वा 4:14 परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह फिर अनन्तकाल तक प्यास न होगा, वरन् जो जल मैं उसे दूँगा, वह उसमें एक सोता बन जाएगा जो अनन्त जीवन के लिए उमडता रहेगा।

यूहन्ना 7:37-39 पर्व के अंतिम दिन, जो मुख्य दिन है, यीशु खडा हुआ और पुकार कर कहा, ''यदि कोई प्यास हो तो मेरे पार आए और पीए। जो मुझ पर विश्वास करेगा, जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी। उसने यह वचन पवित्र आत्मा के विषय में कहा, जिसे उस पर विश्वास करनेवाले पाने पर थे, क्योंकि आत्मा अब तक न उतरा था, क्योंकि थिशु अब तक अपनी महिमा को न पहूँचा था।

6. प्रकाशितवाक्य 21:6 फिर उसने मुझ से कहा ये बातें पूरी हो गई है। मैं अलफा और ओमेगा, आदि औ अन्त हूँ। मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेतमेंत पिलाऊँगा।

II पतरस 3.9-13 प्रभु अपनी प्रतिज्ञा के विषय में देर नही करता, जैसी देर कुछ लोग समझते हैं, पर तुम्हारे विषय में धीरज धरता है, और नहीं चाहता कि कोई नष्ट हो, वरन् यह कि सब को मन फिराव

का अवसर मिले। परन्तु प्रभु का दिन चोर के समान आ जाएगा, उस दिन आकाश बडी हड़हडाहट के शब्द से जाता रहेगा और तत्व बहुत ही तप्त होकर पिघल जाएँगे और पृथ्वी और उस पर के काम जल जाएँगे। ‘‘जबकि ये सब वस्तुएँ इस रीति से विघलनेवाली है, तो तुम्हे पवित्र चाल चलन और भक्ति मैं कैसे मनुष्य होना चाहिए, और परमेश्वर के उस दिन की बाट किस रीति से जोहना चाहिए और उसके जल्द आने केलिए कैसा यत्न करना चाहिए, जिसके कारण आकाश आग से पिघले जाएँगे, और आकाशक के गण बहुत ही तप्त होकर गल जाएँगे। पर उसकी प्रतिज्ञा के अनुसार हम एक नए आकाश और नई पृथ्वी की आस देखते है जिनमे धार्मिकता वास करेगी।

प्रकशितवाक्य 21:1 फिर मैं ने नये आकाश और नयी पृथ्वी को देखा, क्योंकि पहला आकाश और पहली पृथ्वी जाती रही थी, और समुद्र भी न रहा।

7. निर्गमन 3:1-6 मूसा अपने ससुर यित्रो नामक मिद्यान के याजक की भेड़ बकरियों को चराता था, और वह उन्हें जंगल की पश्चिमी ओर होरेब नामक परमेश्वर के पर्वत के पास ले गया। और परमेश्वर के दूत ने एक कटीली झाडी के बीच आग की लौ में उसको दर्शन दिया; और उसने दृष्टि उठाकर देखा कि झाडी जल रही है पर भस्म नहीं होती। तब मुसा ने कहा, ‘‘मैं उधर जाकर इस बडे आश्चर्य को देखूगाँ कि वह झाडी क्यों नहीं जल जाती’’।जब यहोवा ने देखा कि मूसा देखने को मुडा चला आता है, तब परमेश्वर ने झाडी के बीच से उसको पुकारा, ‘‘हे मुसा, हे मूसा।’’ मुसा ने कहा, क्या आज्ञा। उसने कहा, ‘‘इधर पास मत

आ, और अपने पाँवो से जूतियों के उतार दे, क्योंकि जिस स्थान पर तू खडा वह पवित्र भूमि है'' ''फिर उसने कहा, ''मैं तेरे पिता का परमेश्वर, और अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर हूँ। ''तब मूसा ने जो परमेश्वर की ओर देखने से डरता था, अपना मुँह ढाँप लिया।

8. मत्ती 7:13-14 सकेत फाटक से प्रवेश करे, क्योंकि चौडा है वह फाटक और सरल है वह मार्ग जो विनाश को पहूँचाता है, और बहुत से हैं जो उस से प्रवेश करते हैं। क्योंकि सकेत है वह फाटक और कठिन है वह मार्ग जो जीवन को पहूँचाता है; और थोडे है जो उसे पाते है।

यूहथ्ना 10:7-9 तब यीशु ने उनसे फिर कहा, ''मैं तुम से सच सच कहता हुँ, भेडों का द्वार मैं हूँ। जितने मुझसे पहले आए वे सब चोर और डाकू है, परन्तु भेडों ने उनकी न सुनी द्वार मैं हूँ, यदि काई मेरे द्वारा भीतर प्रवेश करे, तो उद्धार पाएगा, और भीतर बाहर आया जाया करेगा और चारा पाएगा।

9. यूहन्ना 3:12-13 जब मै ने तुम से प्रथ्वी की बाते कहीं और तुम विश्वास नहीं करते, तो यदि मैं तुम से स्वग की बातें कहूँ तो पिर कैसे विश्वास करोगे ? काई स्वर्ग पर नहीं चढा, केवल वही जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात, मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग मैं है।

यूहन्ना 6:38-40 क्योंकि मैं अपने इच्छा नहीं वरन् अपने भेजनेवाले की इच्छा पूरी करने केलिए स्वर्ग से उतरा हूँ, और मेरे भेजनेवाले की इच्छा यह है कि जो कुछ उसने मुझे दिया है, उस में से मैं कुछ न खोऊँ, परन्तु उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊँ। कोयंकि मेरे

पिता की इच्छा यह है कि जो कोई पुत्र को देखे और उस पर विश्वास करे, वह अनन्त जीवन पाए, और में उसे अंतिम दिन फिर जिला उठाऊँगा

मत्ती 13:34-35 ये सब बाते यीशु ने दृष्टान्तों में लोगों से कहीं, और बिना दृष्टान्त वह उनसे कुछ न कहता था। कि जो वचन भविष्यद्वक्ता के द्वारा कहा गया था, वह पूरा हो

मैं दृष्टानन्त कहने को अपना मुँह खोलूँगाः
मैं उन बातों को जो जगत की उत्पतन्ति से
गुप्त रही है प्रगट करूगा''

10. यूहन्ना 6:46 यह नहीं कि किसी ने पिता को देखा हैः परन्तु जो परमेश्वर की ओर से है, केवल उसी ने पिता को देखा है।

यूहन्ना 14:7-11 यदि तुम ने मुझे जाना होता, तो मेरे पिता को भी जानते; और अब उसे जानते हो, और उसे देखा भी है। ''फिलिप्पुस ने उससे कहा, ''है प्रमु, पिता को हमें दिखा दे, यही हमारे लिए बहुत है''। ''यीशु ने उससे कहा, ''हे फिलिप्पुस, मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हुँ, और क्या तू मुझे नहीं जानता ? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है। तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा ? क्या तू विश्वास नहीं करता कि मैं पिता में हुँ, और पिता मुझमें है ? ये बातें जो मैं तुम से कहता हूँ, अपनी ओर से नहीं कहता, परन्तु पिता मुझ में रहकर अपने काम करता है। ''मेरा विश्वास करो कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में हैं नही तो कामों ही के कारण मेरा विश्वास करो।

11. यूहन्ना 3:12-13 जब मैं ने तुम से पृथ्वी की बाते कहीं और तुम विश्वास नहीं करते, तो यदि मैं तुम से स्वर्ग की बाते कहूँ तो फिर कैसे विश्वास करोगे ? कोई स्वर्ग पर नहीं चढा, केवल वही जो स्वर्ग से उतरा, अर्थात मनुष्य का पुत्र जो स्वर्ग में है।

12. प्रकाशितवाक्य 22:12-16 ''देख, मै शीध्र आनेवाला हूँ, और हर एक के काम के अनुसार बदला देने के लिए प्रतिफल मेरे पास है मैं अलफा और ओमेगा, पहला और अंतिम, आदि और अन्त हुं। धन्य वे है, जो अपने वस्त्र धो लेते हैं, क्योंकि उन्हें जीवन के वृक्ष के पास आने का अधिकार मिलेगा, और वे फाटकों से होकर नगर में प्रवेश करेंगे। पर कुत्ते, और टोन्हें, और व्यभिचारी, और हत्यारे और मूर्तिपूजक, और हर एक झूठ का चाहनेवाला और गढनेवाला बाहर रहेगा।'' मुझ यीशु ने अपने स्वर्गदूत को इसलिये भेजा कि तुम्हारे आगे कलीसियाओं के विषय में इन बातों की गवाही दे। मैं दाऊद का मूल और वंश और भोर का चमकता हुआ तारा हूँ।

13. प्रकाशितंवाक्य 21:5-6 जो सिंहासन पर बैठा था, उसने कहा, ''देख, मैं सब कुछ नया कर देता हूँ। फिर उसने कहा, ''लिख ले, क्योंकि ये वचन विश्वास के योग्य और सत्य है। ''फिर उसने मुझ से कहा ''ये बाते पूरी हो गई है। मैं अल्फा और ओमेगा, आदि और अन्त हूँ। मैं प्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेतंमेंत पिलाऊँगा।

14. मत्ती 19:28 यीशु ने उनसे कहा, ''मैं तुम से सच कहता हूँ कि नई सृष्टि में जब मनुष्य का पुत्र अपनी महिमा के सिंहासन पर बैठेगा, तो तुम भी जो मेरे पीछे हो लिए हो, बारह सिंहासनों पर बैठकर इस्राएल के बारह गोत्रों का न्याय करोगे।

15. मत्ती 12:48-50 यह सुन कर उसने कहनेवाले को उत्तर दिया, ‘‘कोन है मेरी माता ? और कौन है मेरे भाई ?’’ और अपने चेलों की ओर अपना हाथ बढा कर कहा, ‘‘देखो, मेरी माता और मेरे भाई थे है। क्योंकि जो कोई मेरे स्वर्गीय पिता की इच्छा पर चले, वही मेरा भाई, और मेरी बहिन, और मेरी माता है।

16. प्रकाशितवाक्य 21:6 फिर उसने मुझ से कहा, ‘‘ये बाते पूरी हो गई है। मैं अल्फा और ओमेगा, आदि और अन्त हूँ। मैं ण्यासे को जीवन के जल के सोते में से सेतंमेंत पिलाऊँगा।

प्रकाशितवाक्य 22:17 आत्मा और दुल्हिन दोनों कहती है, ‘‘आ!’’ और सुननेवाला भी कहे, ‘‘आ!’’ जो प्यासा हो वह आए, और जो कोई चाहे वह जीवन का जल सेतंमेंत ले।

17. यूहन्ना 4:11-14 स्त्री ने उससे कहा, ‘‘हे प्रभु, तेरे पास जल भरने को तो कुछ है भी नहीं, और कुआँ गहरा है, तो फिर वह जीवन का जल तेरे पास कहाँ से आया ? क्या तू हमारे पिता याकूब से बडा है, जिसने हमें यह कुआँ दिया, और आपही अपनी सन्तान, और अपने पशुओं समेत इसमें से पीया?’’ यीशु ने उसको उत्तर दिया, ‘‘जो कोई यह जल पीएगा वह फिर व्यापस होगा, परन्तु जो कोई उस जल में से पीएगा जो मैं उसे दूँगा, वह फिर अनन्तकाल तक प्यास ने होगा, वरन् जो जल मैं उसे दूँगा वह उसमें एक सोता बन जाएगा जो अनन्त जीवन के लिये उभडता रहेगा।’’

यूहन्ना 7:37-38 पर्व के अंतिम दिन, जो मुख्य दिन है, यीशु खडा हुआ और पुकरा कर कहा, ‘‘यदि कोई ण्यासा हो तो मेरे पास आए

और पिए जो मुझ पर विश्वास करेगा जैसा पवित्रशास्त्र में आया है, ‘उसके हृदय में से जीवन के जल की नदियाँ बह निकलेंगी’’

18. यूहन्ना 8:58 यीशु ने उनसे कहा, ‘‘मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि पहले इसके कि अब्राहम उत्पन्न हुआ, मैं हूँ।’’

19. यूहन्ना 10:30 मैं और पिता एक है।

20. यूहन्ना 14:7-12 यदि तुम ने मुझे जाना होता, तो मेरे पिता को भी जानतें और अब उसे जानते हो, और उसे देखा भी है। ‘‘फिलिप्पुस ने उससे कहा, हे प्रभु, पिता को हमे दिखा दे, यही हमारे लिये बहुत है। ‘‘यीशु ने उससे कहा, ‘‘हे फिलिप्पुस, मैं इतने दिन से तुम्हारे साथ हुँ और क्या तू मूझे नहीं जानता ? जिसने मुझे देखा है उसने पिता को देखा है। तू क्यों कहता है कि पिता को हमें दिखा ? क्या तू विश्वास नहीं करता कि मैं पिता में हूँ और पिता मुझ में है ? ये बातें जो मैं तुम से कहता हुँ, अपनी ओर से नहीं कहता, परन्तु पिता मुझ में रहकर अपने काम करता है। मेरा विश्वास करो कि मैं पिता में हुँ और पिता मुझ में हैं, नहीं तो कामों ही के कारण मेरा विश्वास करो। मैं तुम से सच सच कहता हूँ कि जो मुझ पर विश्वास रखता है, ये काम जो मैं करता हुँ वह भी करेगा, वरन इनसे भी बडे काम करेगा क्योंकि मैं पिता के पास जाता हूँ।

21, 22. यूहन्ना 14:6 यीशु ने उससे कहा, ‘‘मार्ग और सत्य और जीवन मैं ही हुँ, बिना मेरे द्वारा काई पिता के पास नहीं पहूँच सकता ।

23. युहन्ना 10:7-9 तब यीशु ने उनसे फिर कहा, ‘‘मैं तुम से सच सच कहता हुँ, भेडों का द्वारा में हूँ । जितने मुझसे पहले आए वे सब चोर और डाकू हैं, परन्तु भेडों ने उनकी न सुनी । द्वार मैं हुँ, यदि काई मेरे

द्वारा भीतर प्रवेश करे, तो उद्धार पाएगा, और भीतर बाहर आया जाया करेगा और चारा पाएगा।

24, 25. यूहन्ना 8:12 यीशु ने फिर लोगों से कहा, ‘‘जगत की ज्योति मैं हुँ, जो मेरे पीछे हो लोग वह अन्धकार में न चलेगा, परन्तु जीवन की ज्योति पाएगा।’’

ये सब हम अत्यधिक जरूर याद करना चाहिए

1) हम प्रार्थना के द्वारा परमेश्वर से बात करते हैं।

2) परमेशवर अपना प्रिय पुत्र के द्वारा लिखा हुआ पवित्र वचन से हम से बात करता है।

इसलिए हर दिन जब हमको अवसर मिलते है तब हम परमेश्वर का पवित्र वचन जरूर पढना चाहिए।

सर्वशक्तिमान परमेश्वर, दोनों इस्राएल और पृथ्वी का रक्षक, अपना प्रिया पुत्र प्रभु, ईशूमसीह के द्वारा आप को आशीष देना चाहता है, प्रिय पुत्र - ईशू इस्राएल का मसीह... दोनों इस्राएल और सारे पृथ्वी का जल्दी आनेवाला राजा इसलिए अपना क्षमाशीलता और प्रबोधन का कृपा से आपका तलाश को अच्छा इनाम दे देना।

अभी आप रहनेवाला इस गडबड और मुश्किल से भरा हुआ ब्रहमाडं को समझने केलिए आप ने किया हुआ लंबा कोशिष को परमेश्वर आशिष देना चाहता है। आनेवाला पापों का दण्ड ओर परमेश्वर का भयानक दिन से आपको मुक्ति देना चाहता है- इसलिए प्रभु अपना

क्षमाशीलता और प्रबोधन का कृपा से आपका लंबा तलाश को अच्छा इनाम दे देना!

अभी अधिक ज्ञानेद्रीय होना बहुत अच्छा है - आज - दण्ड का दिन आने के पहले - तो नित्य जीवन में प्रवेश करेगा और सारे शोक से बचाएगा।

दोनों जीवन और मृत्यु आप के सामने रखा हुआ है। परमेश्वर का वचन ऐसा कहता है कि ‘‘जो कोई मुझे इनकार करते है वे सब मृत्यु को प्यार करते है। प्रभु ईशुमसीह और परम पिता के साथ नित्य जीवन चुन कर ले लो... अँधेरा का राजा’’ जो शैतान के साथ मत रहो। बहुत पहले से प्रभु ईशूमसीह ने हम को चाहता था..... शैतान हमेशा केलिए हिमसक है और झूठ का पिता भी है।

प्रभू ईशुमसीह के साथ नवजीवन चुनो, शैतान के हाथ से छोडो.... तो अतं में स्वर्ग की ओर से संकीर्ण पथ आप देखेंगे ... और नश्क की ओर से विशाल पथ से दूर रहेंगे।

परमेश्वर की जानकारी को पहचान करो.... अपना प्रिय पुत्र के धर्मपरायण, पवित्रता और धर्म विज्ञान... और स्वग पिता परमेश्वर आप का पाप और कमी को कभी नहीं दरवेगा। ये सब परमेश्वर का मेमना प्रभू ईशुमसीह का खून से थोया किया है।

परमेश्वर का जीवन और बढाई का पथ को चुन कर प्यार करो और शैतान का सत्यनाश पथ से छोड रहो।

प्रथान समाप्ति विषय : क्या इस संसार में एक अंधेरा युग आ रहा है ? यह तो पहले सब ब्रिटन, यूरोप, आस्ट्रेलिया, दक्षिण आफ्रिका,

भारत और अमरिका में आ गये - ये देशों में रहनेवाले इसाईयों को बहुत परेशानी होते है और चर्च हाजिरी भी कम हो जाते है, क्योंकि इस्लामिसम, मार्किसम, मानवतावाद, इवलषनिसम, सेक्युलरिसम, सोष्यलिसम साटानिसम और जादू - टोना सब आगे बढ जाते है। पहले तो यूरोप एक अँधेरा महाद्वीप होगया और आफ्रिका भी उसी प्रकार आनेवाल है। पूर्वानुमान लगानेवाले ऐसा विश्वास करते हैं कि इस्लामिक आतंकवादियों के कारण से बहुत जल्दी यह एक अँधेरा ''युरेबिया'' हो जाएग।

इस्राएल और जूदा के पुराने देशों में एक दुष्ट राजा ने शासन करते थे, यह तो परमेश्वर का दष्ड का एक उत्तम लक्षण था, जूदा के ''प्रतिज्ञा देश'' में उसी प्रकार का आक्रमण और सर्वनाश हो गथे थे। अपना पापों और अनैतिकता के कारण जूदों के सारे देशो में परमेश्वर ने दण्ड दिया। जब - जब एक दृष्ट राजा ने जूदा में शासन करता था जो परमेश्वर का एक चेतावनी था कि वे आक्रमण, गरीबी, सर्वनाश और गुलामी सब जलदी आनेवाले है। इनके बारे में जानकारी देने केलिए परमेश्वर ने प्रवाचकों को उनके पास भेजा। इस्राएल और जूदा में शासन किया हुआ दुष्ट राजाओं भविष्य काल में इस संसार में शासन करने केलिए आनेवाला मसीह का विरोथी को व्यक्त करते है। इसलिए आप चेतावनी लीजिए, और अपना देश में आनेवाला सब कार्यों केलिए तैयार कीजिए।

आप का देश में और पृथ्वी के सारे देशों मे 'राजा' बनने केलिए इच्छा से... एक अत्याचारी शक्ती अपना देश में अथिकार रखने केलिए कोशिष करता है... इसका मतलब यह है कि परमेश्वर का दण्ड इस सारे

पृथ्वी में और आपका देश के सब लोगों के ऊपर भी बहुत जलदी आ जाता है... अब भारत में आया हुआ, इस्लामिक कालिफेट (1517-1917 ए.डी) नामक एक जगह जो ''नास्तिक'' और ''युद्ध का धर'' कहा जाता है। अभी हम चर्च युग का आखिरी समय में जीते है, और यूरोप, यू.के, ए.यु.एस, भारत और अमरिका सब देशों का आजादी का अंतिम दिन हम देख सकें। जब आप को इस पुस्तक मिलता है तब कुछ इस्तमाल कीजिए, अब इस भारत में, धर्म को कुछ आजादी होता है, थोडा केलिए। आप जरूर इस्तेमाल नहीं करने तो सब नष्ट हो जाएगा। आज मनफिराओ, और प्रार्थना करो, है तो महान परमेश्वर हमारा देश केलिए जरूर मेक्ष देगा।

जब प्रभू ईशूमसही वापस आता है, तब यह तो अलग होगा- कि जूदा के शेर के समान वह उतरता है, सारे पृथ्वी का न्यायाधीश, इस ब्रहाडं को जीतनेवाला राजा..... और इस पृथ्वी से मसीह का विरोधी का पूरा अधिकार को निकाल कर दूर रहेगा।

एक बपतिसमा लिया हुआ और परमेश्वर का पीछे होनेवाला...

केन स्ट्रीट, के द्वारा इस पुस्तक आप केलिए लिखा हुआ है।

English v. 3j, 2/17/11 © 2005, 2011, 2018 by Roddy Kenneth Street. Jr.

Hindi translation created by Pastor Joel of Pollachi, Tamil Nadu, India.

This is one of many Street Tracts at JesusChristNepal.org, JesusChristIndia.org, JesusChristSriLanka.org, JesusChristKorea.org, JesusChristJapan.org, JesusChristUSA.org, JesusChristTaiwan.com, JesusChristThailand.com, and other sites via the Jesus Information Network–-including… JesusChristChina.net, JesusChristInformation.com, and JesusInformation.net !

Visit these websites for free e-tracts, printing patterns & more good stuff !

Email for Ken Street: etracts@yahoo.com or etracts@gmail.com (English only)

बुद्धीमानी परमेश्वर से बहुत भक्ती से भारत केलिए प्रार्थना करो
शैतान का कोई दुष्ट शक्ति आपको परेशान नही करेगा...
मनफिराओ और मोक्ष प्राप्त करो, जो कुछ बोया है वह काट करो,
एक सिंहासन को प्रभू ईशूमसीह ही योग्य है

''ईशूमसीह के अलावा कोई दूसरा राजा नही'' जो आप केलिए लडाई करे....
आप स्वर्ग सिधारने तक ये उसका प्रतिज्ञा है।

यहोवा परमेश्वर बहुत सहनशील किसान है और अर्पित पिता भी है...! अपना प्रिय पुत्र प्रभु ईशूमसीह, के द्वारा वह काम करता है... इस पृथ्वी को अगाता है.... और अपना इच्छा के अनुसार इस पृथ्वी को आगे बदलता है।

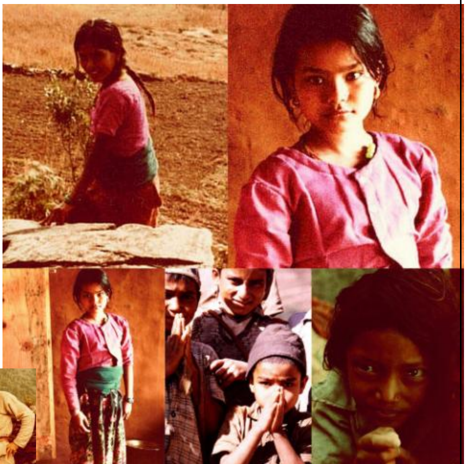

मुक्तिनाथ में ''अचंभा की अगिन का मन्दिर'' (1979 में) नीचे दहने तरफ देख सकता है।

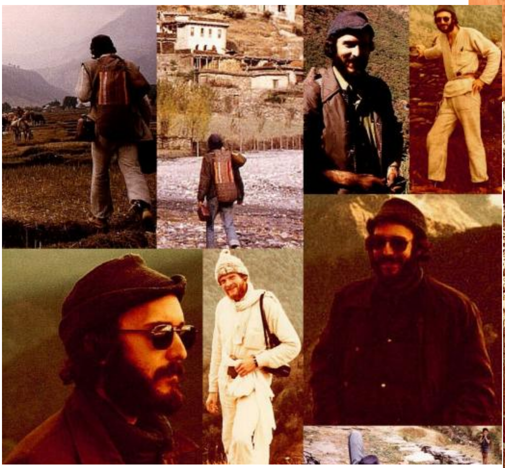

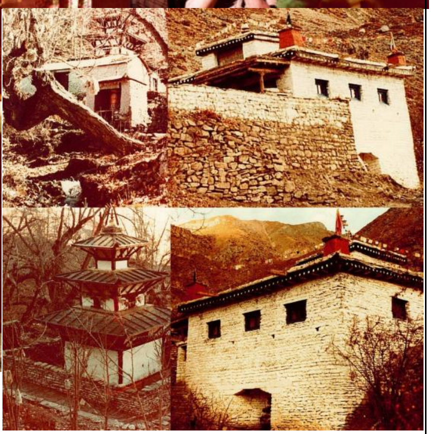

1979 नवंबर में मुक्तिनाथ पर्वतयात्रा के समय मेरा दोस्त पर्वत यात्रिक पाल वेर्णर, अपना चेहरा ऊपर देख सकता है।

तमिलनाट में, पोल्लाच्ची का नया उनुवाद समन्वयकर्ता पास्टर पोल फिनेहास को इस नया उनुवाद केलिए हमारा धन्यवाद देते हैं, और अनुवादक पास्टर जोयल को भी धन्यवाद देते हैं।

पास्टर पोल फिनेहास गिलगाल मिशन ट्रस्ट का अद्यक्ष है और इसका वेबसैट www.gmtindia.org है। GMT का E-mail gilgalmissionoffice@gmail.com है। पास्टर पोल का E-mail पता paulphinehas@gmail.com है।

यहोवा परमेश्वर बहुत सहनशील किसान है और अर्पित पिता भी है। अपना प्रिय पुत्र प्रभु ईशुमसीह, के द्वारा वह काम करता है... इस पृथ्वी को उगाता है... और अपना इच्छा के अनुसार इस पृथ्वी को आगे बदलता है।